

तरिगे के रंग में चमका मारतंड सूर्य मंदिर

स्रोत: इकनॉमिक टाइम्स

स्वतंत्रता दविस समारोह के उपलक्ष्य में जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग ज़िले में स्थिति **मारतंड सूर्य मंदिर** भारतीय ध्वज के तीन रंगों में प्रकाशित हुआ।

- इस सजावट ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों में **गर्व व खुशी** की भावना उत्पन्न की है, जिससे बड़ी संख्या में लोग इस ऐतिहासिक आयोजन की ओर आकर्षित हुए हैं।

मारतंड सूर्य मंदिर के संदर्भ में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **नरिमाण:** मारतंड मंदिर का नरिमाण लगभग 1200 वर्ष पूर्व **कारकोट राजवंश** के राजा **ललतिादतिय मुक्तापीड** द्वारा कयिा गया था, जिन्होंने 725 ई. से 753 ई. तक कश्मीर पर शासन कयिा था।
 - यह मंदिर **सूर्य देवता** मारतंड को समर्पित था और इसकी वास्तुकला में **मसिर, यूनानी एवं गांधार शैलियों** का प्रभाव देखने को मलित है।
 - मंदिर की **दीवारें बड़े-बड़े धूसर पत्थरों** से बनी थीं तथा इसके आँगन में नदी का जल भरा जाता था जो **कश्मीरी वास्तुकला** में इसकी भव्यता और महत्त्व का प्रतीक है।
- **ऐतहासिक संदर्भ:** मंदिर का इतहास 12वीं शताब्दी में कलहण द्वारा लखित **राजतरंगिणी** में वर्णित है।
- **वास्तुकला वशिषतारें:** मंदिर में तीन अलग-अलग कक्ष थे अर्थात् **मंडप, गर्भगृह और अंतराला**, जो इसे कश्मीर के वविधि मंदिरों में अद्वितीय बनाते हैं।
 - खंडहरों से पता चलता है कि मंदिर **84 स्तंभों के एक समूह** से घरिा हुआ था, जो कश्मीरी मंदिर वास्तुकला की एक वशिषता है।
 - उस समय असामान्य रूप से नरिमाण में चूने के गारे का प्रयोग कयिा जाता था जो आप्रवासी **बीज़ान्टिन वास्तुकारों** की संलपितता का संकेत देता है।
- **सांस्कृतिक समावेशन:** मारतंड मंदिर की वास्तुकला में शास्त्रीय **ग्रीको-रोमन, बौद्ध-गांधार और उत्तर भारतीय** शैलियों का संगम दखिता है, जो वभिन्न संस्कृतियों एवं सामराज्यों के साथ कश्मीर के ऐतहासिक संबंधों को दर्शाता है।
- **हरष के साथ संबंध:** **प्रथम लोहारा राजवंश के राजा हरष (1089 ई. से 1101 ई.)** ने खज़ाने के लयि मंदिरों को लूटा था, लेकनि उन्होंने **मारतंड मंदिर को छोड़ दिया**, जबकि अन्य मंदिरों को उन्होंने धन के लयि वकित कर दिया था।
- **वनिाश:** ऐसा माना जाता है कि मंदिर को आंशिक रूप से **सुलतान सकिंदर शाह मरिी** द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था, वर्ष जसिने वर्ष 1389 से 1413 तक कश्मीर पर शासन कयिा था, हालाँकि कुछ इतहासकार इस तथ्य पर वविाद जताते हैं।
 - वर्तमान मंदिर आंशिक रूप से संरक्षित है, इसकी प्रभावशाली धूसर दीवारें तथा इस पर नक्काशी द्वारा बनाई गई देवताओं की आकृतियाँ अभी भी दखिाई देते हैं।
- **वर्तमान स्थिति:** मंदिर के अवशेषों को **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)** द्वारा 1990 के दशक के उग्रवाद के दौरान भी **“राष्ट्रीय महत्त्व के समारक”** के रूप में संरक्षित कयिा गया था।

कश्मीरी मंदिर वास्तुकला

- **कश्मीरी मंदिर वास्तुकला** की अपनी अनूठी वशिषतारें हैं जो स्थानीय भौगलिकी अवस्थितिके अनुरूप हैं तथा अपनी उत्कृष्ट पत्थर की नक्काशी के लयि प्रसदिध हैं।
- **महत्त्वपूर्ण व्यापार मार्गों पर स्थिति होने के कारण इसकी स्थापत्य शैली कई वदिशी स्रोतों से प्रेरित है।**
- **कारकोट राजवंश और उत्तपल राजवंश के शासकों के अधीन मंदिर नरिमाण का कार्य अत्यधिक उत्कर्ष पर था।**
- कश्मीर वास्तुकला शैली की प्रमुख वशिषतारें हैं:
 - तपितयिा/ट्रेफोइल मेहराब (गांधार प्रभाव)
 - सेलुलर लेआउट और संलग्न आँगन
 - सीधे कनारों वाली परिमडिनुमा छत
 - स्तंभ वाली दीवारें (यूनानी प्रभाव)
 - त्रकिोणीय पेडमिंट (यूनानी प्रभाव)
 - अपेक्षाकृत अधिक संख्या में सीढियाँ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के परश्न

??????????:

परश्न: नमिनलखिति में से कौन-सा सूर्य मंदरि के लयि परसदिध है? (2017)

1. अरसावल्ली
2. अमरकंटक
3. ओंकारेश्वर

नमिनलखिति का उपयोग करके सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/martand-sun-temple-glow-in-tricolor>

